अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2018-2019
हिन्दी

कक्षा : IX

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड 'ब' से किन्हीं चार प्रसंगों के प्रश्नोंतर लिखें। गद्य एवं पद्य से एक-एक प्रसंग करना अनिवार्य है।

खण्ड "अ" (भाषा – 40 अंक)

1. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त प्रस्ताव लिखें।** [15]

(क) बूढ़े बरगद की आत्म कथा ।

(ख) अटल बिहारी वाजपेयी – जीवन परिचय ।

(ग) मेरी प्रसन्नता छिपाए नहीं छिप रही थी, बात दर असल यह थी कि......उपर्युक्त पंक्तियों से आरंभ करते हुए किसी घटना का वर्णन करें।

(घ) 'केरल में बाढ़ का कहर' इस विषय में जानकारी देते हुए बताएँ कि क्या आपने उनकी किसी प्रकार से सहायता की ? वर्णन करें।

(ङ) अपनी मांग की पूर्ति के लिए क्या 'हड़ताल' उचित है ? उपरोक्त विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए निबंध लिखें।

2. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें :-** [7]

(क) आपके मुहल्ले में आए दिन चोरियाँ हो रही हैं। उनकी रोकथाम के लिए गश्त बढ़ाने हेतु थानाध्यक्ष को पत्र लिखें।

{Turn Over}

http://www.icseboardonline.com

(ख) अपने प्रिय शिक्षक अथवा शिक्षिका के उन गुणों का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र लिखें जिनसे आप अत्यधिक प्रभावित हुए हैं।

3. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें :-**

वर्षों पुरानी बात है। दीनदयाल नाम के एक सेठ अजमेर में रहते थे। एक दिन उन्होंने एक पुस्तक में पढ़ा - 'गुरु के बिना ज्ञान नहीं और ज्ञान के बिना मोक्ष नहीं। सेठ ने निश्चय किया कि एक ऐसे गुरु की तलाश की जाए जो बहुत ज्ञानी हो। बहुत से गुरुओं के पास गए। उन्हें जाँचा-परखा पर कोई खरा न निकला। परन्तु तलाश का अंत नहीं हुआ।

काफी दिन बीत गए। सेठ जी परेशान रहने लगे। एक दिन सेठानी ने कहा, 'आप परेशान क्यों होते हैं ? आप अपना काम करें। यह काम मुझ पर छोड़ दें। जो मिला करे उसे मेरे पास भेज दिया करें।' सेठजी सहमत हो गए। एक झंझट समाप्त हुआ। सेठानी ने पिंजड़े में एक कौआ पाला। जो भी महात्मा वहाँ आते, उनसे यही कहती - "देखिए मेरा पाला कबूतर अच्छा है न"।

अनेक संत आए। सभी कहते, "कबूतर कहाँ है, कौआ है।" परन्तु सेठानी अपनी बात पर अड़ी रहती। जब वे टस से मस नहीं होती तो संत क्रोध में भरकर उल्टी-सीधी बातें कहते और वापस चले जाते।

सेठानी ने हार नहीं मानी। यही क्रम चलता रहा। बहुतेरे संत आए और चले भी गए। कोई सेठानी की परीक्षा में खरा नहीं उतरा। जो छोटी-छोटी बातोंपर क्रोधित हो जाए, वह संत कैसा ? जो संत नहीं वह गुरु के योग्य नहीं।

http://www.icseboardonline.com

(क) प्रस्तुत पद में कवि ने किसे उदार कहा है, और क्यों ? [3]

(ख) गीध (जटायु), सबरी व विभीषण के विषय में प्रसिद्ध अन्तरकथाओं का दो-दो पंक्तियों में वर्णन करें। [3]

(ग) तुलसीदास जी ने अपने मन को संबोधित करते हुए क्या कहा है ? पठित पद के आधार पर वर्णन करें। [2]

(घ) अर्थ लिखें : सरिस, विराग, उदार, सकल । [2]

पद्य

8. **राजा के दरबार में, जैये समया पाय ।**
साँई तहाँ न बैठिये, जहँ कोउ देय उठाय ।।
जहँ कोउ देया-उठाय, बोल अन बोले रहिए ।
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए ।।
कह 'गिरिधर कविराय' समय सों कीजै काजा ।
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखैहैं राजा ।।

(क) उपर्युक्त 'कुंडली' के आधार पर स्पष्ट करें कि राज-दरबार में हमें किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए ? [3]

(ख) कवि गिरिधर कवि राय का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का वर्णन करे। [3]

(ग) कवि गिरिधर की कुंडलियों से हमें क्या सीख मिलती है ? पठित कुंडलियों के आधार पर स्पष्ट करें। [2]

(घ) अर्थ लिखें :- हहाय, आतुर, अनबोले, अनखैहैं । [2]

9. **ऐसो को उदार जग माहीं ।**
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं ।।
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावन मुनि ज्ञानी ।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी ।।
जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिब पहँ लीन्हीं ।
सो सम्पदा-विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही ।।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरा ।
तौ भजु राम, काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो ।।

http://www.icseboardonline.com

एक दिन एक वयोवृद्ध संत आए। सत्कार करने के उपरांत सेठानी ने वही कौआ-कबूतर का किस्सा शुरू कर दिया।

ये संत आवेश में नहीं आए। कौए और कबूतर का अंतर समझाने लगे। सेठानी को न समझना था न वे समझीं। उनके न समझने पर संत इतना कहकर चले गए, "बेटी हठ मत करना। तथ्य का पता लगाना। कोई सर्वज्ञ नहीं। हमसे भी और आपसे भी भूल हो सकती है। सत्य को समझने के लिए मन के द्वार खुले रखने चाहिए।" वे हँसते हुए चल दिए। न क्रोध था और न आवेश, न मान-अपमान का भाव ही।

सेठानी संत को द्वार से वापस लौटा लाई। नमन किया और उनके चरणों के निकट बैठकर बोली, - "जैसा चाहती थी, वैसा ही आप में पाया। कृपया हमारे परिवार के गुरू का उत्तरदायित्व ग्रहण करें।" घर के सभी लोग उनके शिष्य बन गए। [2x5=10]

प्रश्न (क) सेठ कहाँ का रहने वाला था ? उसे गुरू की तलाश क्यों थी?

प्रश्न (ख) सेठ की परेशानी का क्या कारण था ? वह परेशानी किस प्रकार कम हुई।

प्रश्न (ग) सेठानी ने गुरू की तलाश के लिए क्या किया ?

प्रश्न (घ) अंत में सेठानी की परीक्षा में कौन सफल हुआ और क्यों ?

प्रश्न (ङ) गद्यांश का एक उचित शीर्षक चुनें तथा इस गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? वर्णन करें।

4. (क) **निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखें :-** नमस्कार, पार्वती, निर्मल, धनुष [1]

{Turn Over}

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखें:- [1]

भूगोल, मिलन, शयन, मानवीय

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे से वाक्य बनाएँ :- [1]

चूड़ियाँ पहनना, छक्के छुड़ाना, टस से मस न होना ।

(घ) निम्नलिखित में से किसी एक अनेकार्थी शब्द के दो अर्थ लिखें : [1]

प्रसाद, नायक, नाग, चाल ।

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएँ : [1]

कम, कंजूस, अच्छा, उचित ।

(च) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तन करें :- [3]

(i) रात को आकाश में तारों का मेला लग गया। (संयुक्त वाक्य में बदलें)

(ii) प्रेमलता ने अपना काम नहीं किया। (वर्त्तमान काल में बदलें)

(iii) रमेश को थोड़ी-सी संस्कृत में शिक्षा दी गई । (शुद्ध करें)

खण्ड "ब" (साहित्य 40 अंक)

गद्य

5. **"एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी । न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा" ।**

(क) श्यामू का परिचय दें ? उसके मन की शून्यता का क्या कारण था ? स्पष्ट करें । [3]

(ख) श्यामू के माता-पिता कौन थे ? उसके पिता की स्वभावगत विशेषताओं पर प्रकाश डालें। [3]

(ग) श्यामू का हृदय क्या सोच कर खिल उठा ? यह बात उसने किसे बताई ? [2]

(घ) श्यामू अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए किसके पास गया ? उनकी क्या प्रतिक्रिया थी ? कारण सहित स्पष्ट करें। [2]

6. **"कितना स्नेह था दोनों में ! सारा होस्टल उनकी मित्रता को ईर्ष्या की दृष्टि से देखता था" ।।**

(क) उपयुक्त पंक्तियाँ किस पाठ से ली गई है ? इस कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें। [3]

(ख) 'दोनों में' से कहानीकार का संकेत किसकी ओर है ? उन दोनों की चरित्र गत विशेषताओं को स्पष्ट करें। [3]

(ग) उपर्युक्त कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें। [2]

(घ) अर्थ लिखें :- घनचक्कर, मूसलाधार । [2]

7. **"क्यों भई ! क्या बात है ? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है ?"**

(क) नेताजी कौन थे ? उनका चश्मा बदलने के पीछे क्या कारण था ? समझाकर लिखें। [3]

(ख) उपर्युक्त कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं ? उनका संक्षिप्त परिचय दें। [3]

(ग) कब मूर्ति के चेहरे पर कोई चश्मा नहीं था और क्यों ? [2]

(घ) चश्मे वाला कौन था ? उसके विषय में श्रोता ने वक्ता को क्या जानकारी दी ? [2]

{Turn Over}